

प्रभूषितव्य n. impers. zu *gehören*: पितार PAT. a. a. O. 1,71,a.  
 1. प्रभू mit संपरि s. संपरिशोषण.  
 प्रभुमायणा m. patron. eines Soma VP. 3,3,17. ग्रामुष्यायणा Verz. d. Oxf. H. 80,a,15.  
 3. प्र (= 2. प्र) adj. in सुरा°.  
 प्रूर्प 1) सूर्पे च सर्षपो यथा PANKAR. 2,2,99. विश्वं सर्षपवत्सर्पस्यैकदेशे (so gedr.) 33.  
 प्रूलवत् n. eine best. mythische Waffe R. ed. Bomb. 4,27,6. प्रूलवर v. l. प्रूङ्गगिरि Z. 1 lies 247 st. 274.  
 शैखर 1) c) शिरः° VĀMANA 2,2,14.  
 शेषतस् adv. andernfalls, sonst R. ed. Bomb. 4,60,6.  
 शैत (v. l.) und शैत्य 1) GOP. Br. 4,1,27.  
 शैफालिक adj. aus Viteæ Negundo verfertigt: पट PAT. a. a. O. 3,60,a.  
 शैली ebend. 2,323,a.  
 शोकम् = 2. शोक in सकृत्°.  
 शोषण 2) d) am Ende, शोषा f. auch R. ed. Bomb. 4,31,20. 35,1.  
 शोभक m. N. pr. eines Mannes RĪGA-TAR. 8,1081.  
 शोङ्गीय, so zu lesen.  
 शोन्कात्रि s. सौन°.  
 शोभिक m. Bez. bestimmter Schauspieler PAT. a. a. O. 3,28,a.  
 शौरसेन, भाषा KĀVĪD. 1,35.  
 शौत्किल adj. PAT. a. a. O. 4,73,b.  
 शोवाविध adj. von श्राविध् ebend. 4,88,b.  
 1. श्रुत् Z. 3 lies 4,50,3 st. 50,3.  
 श्येतप्, ऽपति = श्येनीमाचष्टे PAT. a. a. O. 6(4),44,b.  
 श्येनभूत adj. = श्येनाभूत RV. 9,87,6.  
 श्येनाभूत, streiche RV. 9,87,6.  
 श्येन (so zu lesen) adj. vom Falken (श्येन) kommend: मौस WEBER, KRISHNĀG. 221.  
 1. अश्व Sp. 335, Z. 9 c) st. b), Z. 11 d) st. c) und Z. 24 e) st. d) zu lesen. — f) Bez. der Feminina auf घ्रा KĀTANTRA 2,1,37. 71.  
 1. अश्व mit वि 1) विश्वममाणा R. ed. Bomb. 4,62,2.  
 अमण 1) Buddhist: अनात्मणम् leben in Feindschaft PAT. a. a. O. 2,398,a.  
 2. अश्वस्य, partic. अश्वस्यत् = 1. अश्वस्यु RV. 4,128,1.  
 अश्वस्यौ f. stilliger Lauf RV. 4,128,6.  
 आ mit घ्रा, hierher wohl घ्राशिरम् als infn. RV. 10,49,10.  
 आह 2) a) HEM. JOGAÇ. 4,8.  
 आवकत् n. nom. abstr. zu आवक 2) HEM. JOGAÇ. 3,138.  
 1. आवण 4) Z. 4 lies 2,170,3.  
 आविन् (?) PAT. a. a. O. 5,36,b.  
 1. अि 1) letzte Zeile lies 4,68,1.  
 5. अी 1) d) Z. 7 lies 3036 st. 2664.  
 अोध VĀMANA 5,2,86.  
 अीय adj. von 5. अी, = अियै क्तित: PAT. a. a. O. 6(4),46,b.  
 1. अु mit अभि caus. Jmd Etwas hören lassen, über Jmd Etwas sprechen, besprechen; mit doppeltem acc. ŚĀMAVIDH. Br. 2,3,2. mit instr. und acc. 4,7.  
 अुतसोमा f. N. pr. einer Gattin Kṛṣṇa's HARIV. 9196 nach der

Lesart der neueren Ausg., सुतसोमा die ältere.  
 अुष्टीवन् Z. 3 lies 7,73,3.  
 अयम् 1) a) lies 3,8,4 st. 1,8,4.  
 अ्राध् mit उप s. उपस्राधा.  
 2. अिष् mit उप, °अिष्ट in unmittelbarer Berührung stehend PAT. a. a. O. 6,32,b. एकादश कार्षापणा उपसिष्टा अस्मिद्भक्ते so v. a. hinzuge-treten 5,39,a.  
 अेष्मन् 1) mit einem Bösewicht verglichen Spī. (II) 7467.  
 अैकस्थान n. so v. a. सूत्रस्थान KĀRAKA.  
 अकर्षा m. Hundesohr Comm. zu KĀTJ. ÇR. 1039,7.  
 अर्दष्टिन् m. ein best. auf dem Trockenen lebendes Thier KĀRAKA 1,27.  
 अर्ध 2) HEM. JOGAÇ. 3,39.  
 अस्तन, f. ई (sc. विभक्ति) Bez. des Charakters des als Fut. fungirenden Nom. ag. (त्) KĀTANTRA 3,1,15. 30.  
 अ्या mit उद् vgl. उच्छेद्य.  
 अ्याविर्दत्त m. die Höhle eines Stachelschweins; davon °र्तियि adj. PAT. a. a. O. 4,75,b.  
 अ्याशुर m. pl. = अ्याशुरेयूनम्काक्षा: ebend. 4,42,b.  
 अ्याशुरि m. = अ्याशुर्यस्यापत्यम् ebend.  
 अ्येत 2) g) β) अ्येतहणा: besser als ein Name aufzufassen.  
 अ्येतहणा m. pl. die weissen Hunnen VARĀHU. BRH. S. 16,38. — Vgl. सितहणा.  
 अ्येतोदर 2) c) N. pr. eines Berges MĀRK. P. 55,7.  
 षट्पद adj. sechsfüßig GOP. Br. 4,2,8.  
 षडिक von षडकुलि N. pr. PAT. a. a. O. 1,275,b.  
 षडैतर, die Sprüche stehen TAIT. ĀR. 3,4.  
 षण्डीय्, षण्ठीय् PAT. a. a. O. 6,27,a.  
 षण्ठत् n. = षण्ठता HEM. JOGAÇ. 2,76.  
 षण्ठय्, ऽपति castriren HEM. JOGAÇ. 3,75 (षण्डय्).  
 षट्कुल adj. von षष् + कुल PAT. a. a. O. 4,39,a. b.  
 षाष्टक adj. = षाष्ट im sechsten (Adbhjāja) gelehrt ebend. 3,8,a. 6,31,a. 60,a.  
 षोडीय्, ऽपति = षोडसमाचष्टे KĀJ. in MANĀBH. lith. Ausg. 6,27,a.  
 षिच् desid. दुष्पूषति und तुष्पूषति, intens. षेष्ठीव्यते und तेष्ठीव्यते (vgl. Corrigg.) PAT. a. a. O. 6,27,a.  
 — नि, निष्पित (so) bespuckt BṛĪG. P. 14,22,58.  
 — निस्, निरष्ठविषम् (von षु; vgl. 3. डु oben) VĀITĀN. 12. GOP. Br. 4,2,7.  
 षु vgl. oben u. षिच् mit निस्.  
 2. स Z. 2 mit instr.: सोमया = सकृ उमया BṛĪG. P. 8,12,3.  
 संपदसु vgl. संपदसु.  
 संबन्ध adj. übereinstimmend, gleichkommend: पुराकल्प एतदासीत् घो-  
 उश माषा: कार्षापणा घोउश पलाश माषसंबन्ध: (sg.) PAT. a. a. O. 1,225,a.  
 1. संवर 2) b) HEM. JOGAÇ. 4,55. 78. fg.  
 संवाक 2) a) neben वाम, घोष und नगर PAT. a. a. O. 2,397,b. = व-  
 णिकप्रधानो निवास: Marktstellen KĀJ.  
 संवृति = संबन्ध TRĪK. 3,3,191.  
 1. संविद् 1) Z. 6 lies 10,16,46. — 3) = संवैतक TRĪK. 3,3,212.  
 संवृति f. Hemmung: वाग्वृत्ते: HEM. JOGAÇ. 1,41.